THE MINISTER OF LABOUR (DR. SATYANARAYAN JATIYA): (a) and (b) No, Sir.

(c) Does not arise.

Central investment subsidy reimbursement

*168. SHRI LAJPAT RAI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether some State Governments have sent memoranda to Government for the Central Investment Subsidy reimbursement claim;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether inspite of Supreme Court's decision for grant of Central Investment Subsidy, no action has been taken by Government till date;

(d) if so, the reasons therefor;

(e) the total amount of Central Investment Subsidy outstanding for Punjab and other States; and

(f) by when a final decision is likely to be taken?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) to (f) Some State Governments have claims under this scheme which are yet to be submitted for reimbursement to the Central Government. The Scheme had ceased to exist on 30-9-1988. Whenever a proposal for reimbursement of subsidy in the light of Hon'ble Supreme Court Order is received, the same is processed for necessary action.

Revival of TCIL

*169. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:
SHRI NILOTPAL BASU:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem captioned "package for Bengal announced", published in the Business Standard, dated 11th February, 1999, regarding Government's decision to revive Tyre Corporation of India Limited (TCIL), which included Industrial Rubber Product (IRP) Unit at Tangra; and

(b) if so, the reasons for forcing a Voluntary Separation Scheme (VSS) on this Unit?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) Yes, Sir.

(b) Voluntary Separation Scheme (VSS) which is along the lines of Voluntary retirement scheme is voluntary in nature and cannot be forced on any unit. The Industrial Rubber Product (IRP) (Tangra) unit has been continuously dependant on GOI's Budgetary support for wages and salaries and statutory dues and the operations of the unit did not stabilise even after carrying out essential repairs in 1996. In order to mitigate the hardship of the employees, Government has decided to introudce VSS for the employees of Tangra unit. Goverument have decided to extend by another 3 months the initial offer of Voluntary Separation Scheme (VSS). A group of Experts is being set up to review the possibility of revival.

व्यापार संबंधी बौद्धिक सम्पदा अधिकार समझौते की समीक्षा

*170. **डा० महेश चन्द्र शर्मा:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्व व्यापार संगठन की महापरिषद् व्यापार संबंधी बौद्धिक सम्पदा अधिकार समझौते (ट्रिप्स एग्रीमेंट) के विविध प्रावधानों की समीक्षा करने वाली है तथा क्या उनके मंत्रालय ने इस संदर्भ में कोई प्रारंभिक विचार आलेख (प्रिलिमनरी इश्यू पेपर) तैयार किया है;

(ख) क्या संबंधित विशेषज्ञों तथा स्वैच्छिक संगठनों के विचार जानने के लिए यह विचार आलेख उनके पास भेजा गया था;

(ग) इस आलेख की विषयवस्तु क्या है तथा इस विचार आलेख पर मंत्रालय को किस प्रकार की टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं; और

(घ) इस संबंध में भावी योजना क्या है?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े): (क) ट्रिप्स करार के अंतर्गत, पौधों की किस्मों समेत पौधों, पशुओं एवं सूक्ष्म जीवों के पेटेन्ट संरक्षण से संबंधित उपबंधों की 1999 में ट्रिप्स परिषद् में सीमित समीक्षा की जानी है। इस समय डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों में प्रचालित संरक्षण प्रणालियों के बारे में सूचना एकत्र की जा रही है। इसके अलावा, वर्ष 2000 में ट्रिप्स परिषद् को इस करार के कार्यान्वयन की समीक्षा करनी है। यह समीक्षा अभी शुरू नहीं की गई है। तथापि, जेनेवा में मई 98 को आयोजित डब्ल्यूटीओ के द्वितीय मंत्रीस्तरीय सम्मेलन में लिए गए निर्णयों के अनुसार, डब्ल्यूटीओ की महा-परिषद् 1999 के अंत में आयोजित किए जाने वाले तीसरे मंत्रीस्तरीय सम्मेलन में मंत्रियों को उचित सिफारिशें प्रस्तुत करने की दृष्टि से विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श कर रही है। महापरिषद् में विचार-विमर्श की इस प्रक्रिया के एक भाग के रूप मे सरकार ने अगस्त 98 में बौद्धिक सम्पदा अधिकार संबंधी मुद्दों पर एक प्रारंभिक पेपर तैयार किया था।

(ख) जी, हां।

(ग) इस पेपर में प्रौद्योगिकी हस्तान्तर के मुद्दों, परम्परागत ज्ञान रखने वालों के साथ लाभ को बांटने समेत जैव-विविधता के संरक्षण और कतिपय भौगोलिक संकेतों के लिए उच्चस्तीय संरक्षण प्रदान करने समेत ट्रिप्स करार और इससे प्राप्त दायित्वों का विश्लेषण किया गया है। इस पेपर को टिप्पणी के लिए संबंधी मंत्रालयों/विभागों, उद्योग संगठनों, विशेषज्ञों और स्वयंसेवी संगठनों में परिचालित किया गया था। अधिकांश मुद्दों पर सकारात्मक एवं समर्थनकारी प्रत्युत्तर प्राप्त हुए थे। प्राप्त सुझावों के आधार पर 2 फरवरी, 1999 को डब्ल्यूटीओ की महापरिषद् में एक पेपर प्रस्तुत किया गया है। इस पेपर में तीन प्रस्ताव शमिल है अर्थात् प्रौद्योगिकीहस्तान्तरण, जैव-विविधता मुद्दा और भौगोलिक संकेतों के लिए उच्च स्तरीयत संरक्षण।

(घ) डब्ल्यूटीओ की महापरिषद् में भारत के पेपर पर विभिन्न मुद्दों के बारे में अन्य देशों से प्राप्त प्रस्तावों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ट्रिप्स परिषद् में भी समीक्षा के दौरान भारत इस पेपर में निहित कुछ सुझावों को स्वीकार करने के लिए दबाव डालेगा।

Exclusion of Coir and Coir-Products from Indo-Sri Lankan Agreement

*171 SHRI A. VIJAYA RAGHAVAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have received any representation to exclude coir and coir products from the Indo-Sri Lankan Trade Agreement;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps taken by Government to safeguard the domestic industry of coir and coir-products?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI RAMAKRISHNA HEGDE):(a) to (c) The Indo-Sri Lanka Free Trade Agreement provides for elimination of tariffs by the two countries on all items except for a limited number of items in the Negative List, over a period of time. India has agreed to eliminate tariffs over a period of 3 years, whereas Sri Lanka will do so in 8 years.

Under the provisions of the Agreement, the two sides are to exchange the lists of items on whcih tariff concessions shall be given as well as those items on which no concessions shall be given. While a preliminary exchange of lists has taken place, the matter is still under finalization.

Representation has been received from the Government of Kerala to include coir and coir products in the Negative List. The representation alongwith similar representations received from other quarters have been and will be given due consideration while finalizing the lists, as well as in the discussions with the Sri Lankan side on this issue. Sensitive items which may be unable to face increased competition due to imports from Sri Lanka on a preferential basis, are being included in the Negative List of items on which duty preference will not be given.